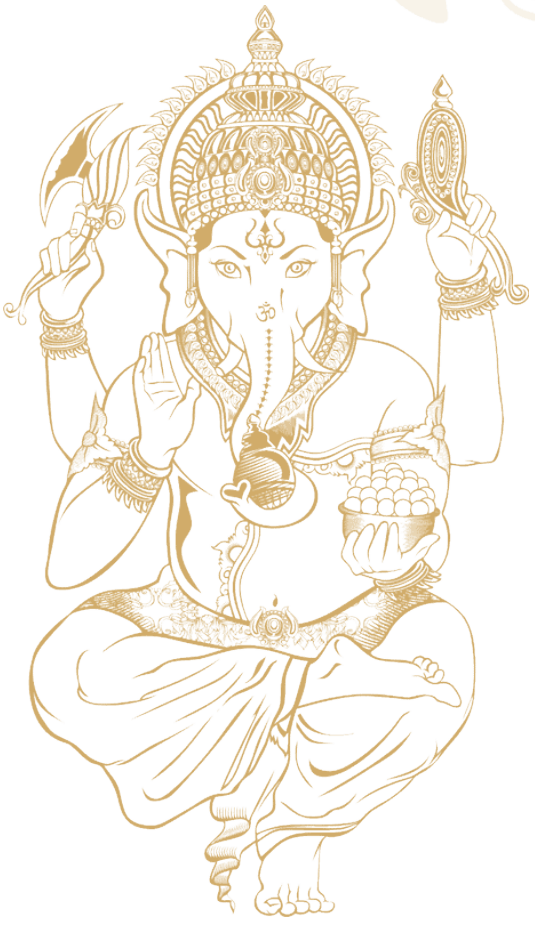

SATENDRA

ADITI

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120411210

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/01/1998	जन्म तिथि	04/03/1997
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	23:40:00 घंटे
घटी 23:31:48	जन्म समय(घटी)	42:51:14 घटी
India	देश	India
Chhota Chhindwara	स्थान	Chhota Chhindwara
23:03:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
79:29:00 पूर्व	रेखांश	79:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:04	स्थानिक संस्कार	-00:12:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:16	सूर्योदय	06:31:30
17:43:55	सूर्यास्त	18:16:26
23:49:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 4मा 1दि		08:20:26	मिथु	लग्न	वृश्चि	04:11:32	शुक्र 9वर्ष 1मा 7दि	
गुरु		26:09:43	धनु	सूर्य	कुंभ	20:23:35	मंगल	
13/05/2020		28:24:19	वृष	चंद्र	धनु	20:35:52	12/04/2022	
13/05/2036		24:23:04	मक	मंगल व	कन्या	07:34:46	11/04/2029	
गुरु	01/07/2022	03:28:06	धनु	बुध	कुंभ	14:20:45	मंगल	08/09/2022
शनि	11/01/2025	00:26:24	कुंभ	गुरु	मक	15:47:52	राहु	26/09/2023
बुध	19/04/2027	05:51:46	मक व	शुक्र	कुंभ	13:09:47	गुरु	01/09/2024
केतु	25/03/2028	20:16:29	मीन	शनि	मीन	13:12:16	शनि	11/10/2025
शुक्र	24/11/2030	18:02:03	सिंह व	राहु व	कन्या	04:59:06	बुध	08/10/2026
सूर्य	12/09/2031	18:02:03	कुंभ व	केतु व	मीन	04:59:06	केतु	06/03/2027
चन्द्र	11/01/2033	13:48:45	मक	हर्ष	मक	12:59:13	शुक्र	05/05/2028
मंगल	18/12/2033	05:27:54	मक	नेप	मक	05:14:47	सूर्य	10/09/2028
राहु	13/05/2036	13:14:41	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:46:50	चन्द्र	11/04/2029

लग्न-चलित

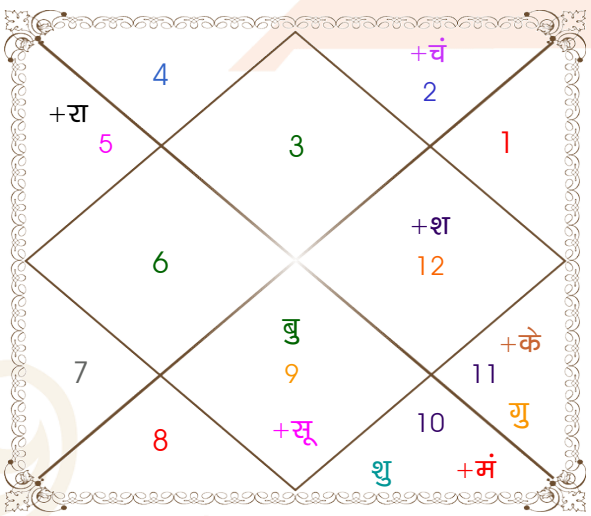

लग्न-चलित

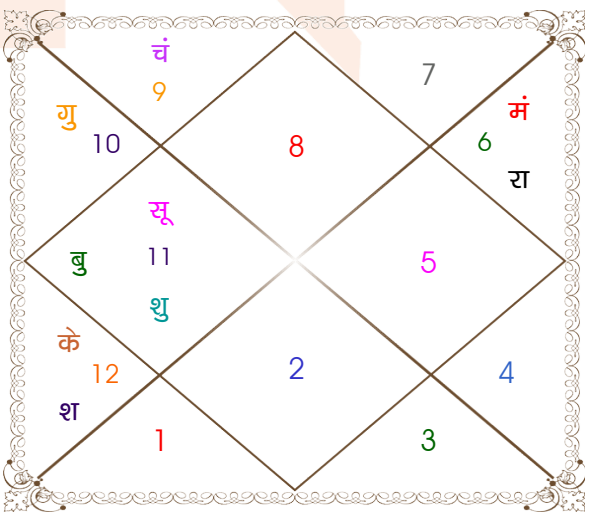

ज्योतिषाचार्य पं. संदीप तिवारी
श्री धाम नरसिंहपुर मध्य प्रदेश
9827998836,9425878602
astrosandeep90@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि SATENDRA का नक्षत्र मृगशिरा है।

SATENDRA का वर्ग मृग है तथा ADITI का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार SATENDRA और ADITI का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

SATENDRA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल SATENDRA कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ADITI मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ADITI कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्योतिषाचार्य पं. संदीप तिवारी
श्री धाम नरसिंहपुर मध्य प्रदेश
9827998836,9425878602
astrosandeep90@gmail.com

SATENDRA तथा ADITI में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

ज्योतिषाचार्य पं. संदीप तिवारी
श्री धाम नरसिंहपुर मध्य प्रदेश
9827998836,9425878602
astrosandeep90@gmail.com